HINDUSTAN TIMES, LUCKNOW
SATURDAY, MARCH 09, 2013

IIA PROPOSALS TO BOOST UP EXPORTS

HT Correspondent
lkoreportersdesk@hindustantimes.com

LUCKNOW: In a meeting of export stake holders with principal secretary, small scale industries and export promotion department held on Friday, the Indian Industries Association (IIA) submitted its proposal and suggestions for increasing exports from UP with 15-20% year to year growth during the next 5 years.

The total share of India's export from UP is miniscule at around 3%. The majority of exports from UP are from handicrafts, leather and meat. Though, UP shares more than 40% of the country's handicraft export, yet the overall export share is very low. Keeping in view this opportunity, IIA submitted 12-point action plan in the meeting.

MN Lari, co-chairman, International Business Promotion, Working Group of IIA and Kunal Verma, member, International Business Promotion, Working Group of IIA presented 'IIA's suggestions/action plan' in the meeting, which includes constitution of a task force comprising of government and industries representatives for each identified focused export sector of UP. The task force will give recommendations in 3 months for the enablers, which will help doubling exports of that sector in 5 years.

the pioneer
LUCKNOW SATURDAY | MARCH 9, 2013

IIA PROPOSALS

In a meeting of export stake holders presided over by Principal Secretary, Small Scale Industries and Export Promotion department, Mukul Singhal at Yojna Bhawan, Indian Industries Association submitted its proposal and suggestions for increasing the exports from UP with 15-20 per cent year-to-year growth during the next five years. IIA director DS Verma said the total share of India's export from UP was miniscule standing at around three per cent. Majority of exports from UP are from handicrafts, leather and meat. Though UP shares more than 40 per cent of the country's handicraft export, the overall export share is very low. This situation is not very encouraging but it is an opportunity for the state to grow its exports. Keeping this in view, IIA submitted a 12 point action plan in the meeting on Friday.

जनसंदेश टाइम्स लखनऊ, शनिवार, 9 मार्च, 2013

यूपी के निर्यात को मिले बढ़ावा

15-20 वर्ष दर वर्ष बढ़ाने के लिए आईआईए का प्रस्ताव

लखनऊ। प्रमुख सचिव लघु उद्योग एवं निर्यात प्रोत्साहन उत्तर प्रदेश सरकार की अध्यक्षता में निर्यात हित धारकों की एक बैठक योजना भवन में आयोजित की गयी। जहां इंडियन इंडस्ट्रीस एसोसिएशन, सुक्ष्म लघु एवं मध्यम उद्योग की अग्रणी संद्य ने बैठक में उत्तर प्रदेश के निर्यात को 15-20 वर्ष दर वर्ष बढ़ाने के लिए अपने प्रस्ताव एवं सुझाव प्रेषित किया।

बैठक में बताया गया कि भारत के कुल निर्यात में उत्तर प्रदेश का योगदान नग्ण्य है, जो कि लगभग 3 प्रतिशत है। उत्तर प्रदेश के अधिकतम निर्यात होने वाले उत्पाद हस्तशिल्प, चमड़ा एवं मीट है। हालांकि, देश के हस्तशिल्प निर्यात में उत्तर प्रदेश की भागीदारी 40 प्रतिशत है फिर भी यदि देखा जाये तो कुल निर्यात भागीदारी बहुत ही कम है। यह स्थिति एक तरह से उत्साह जनक नहीं है परन्तु दूसरी तरफ यह निर्यात को बढ़ावा देने के

सुझाव

भारत के कुल निर्यात में उत्तर प्रदेश का योगदान नग्ण्य, लगभग तीन प्रतिशत

लिये एक अवसर भी प्रदान करती है। इस अवसर को ध्यान में रखते हुए, इंडियन इंन्डस्ट्रीस एसोसिएशन ने इस बैठक में 12 सूत्रीय कार्य योजना को प्रस्तुत किया।

साथ ही एमएन. लारी, उपाध्यक्ष, अर्न्तराष्ट्रीय व्यापार प्रोत्साहन कार्य दल, आईआईए. एवं कुनाल वर्मा, सदस्य अन्तराष्ट्रीय व्यापार प्रोत्साहन कार्य दल आईआईए. ने आईआईए. के सुझाव एवं कार्य योजना बैठक में प्रस्तुत किये जिसमें सरकार एवं उद्योग प्रतिनिधीयों के संयुक्त कार्यदल का गठन कर अपने सुझाव 3 महीने में देने की बात कहीं है। इसके अलावा निर्यात के लिए अलग से पॉलिसी, निर्यात के विकास एवं प्रोत्साहन के लिए उत्तर प्रदेश बजट में अलग से अवंटन, उ0प्र0 के डीएमआईसी. क्षेत्र को एक निर्यात हब के रूप में बढ़ावा देना, प्रदेश से निर्यात किये जाने योग्य उतपादों को 'ओवीओपी' मॉडल के अर्न्तगत 'एक जिले से एक उत्पाद' द्वारा पहचानना, एक आक्रामक ब्रांडिग देना जरूरी है।

वहीं अर्न्तराष्ट्रीय मार्केटिंग प्रोग्राम, उ0प्र0 के उत्पादों के लिए भौगोलिक संकेत प्रक्रिया में तेजी लाना, लखनउ शहर को 'वन स्टाप सोरसिंग हब' में विकसित करना, लखनऊ व उसके आस पास के जिलों को उत्तर प्रदेश का केन्द्रीय 'चिकन व जरी क्लस्टर' घोषित करना, निर्यात क्लस्टर के बुनियादी ढांचे में सुधार, निर्यात एवं व्यापार प्रोत्साहन वाली उ.प्र. संस्थाओं का नवशक्ति संचार करने पर ध्यान देने की बात कही गई। *कासं*

श्री टाइम्स
लखनऊ • शनिवार • 09 मार्च, 2013

निर्यात में उप्र की हिस्सेदारी मात्र 3 फीसदी

शहर प्रतिनिधि

आईआईए का उत्तर प्रदेश के निर्यात को दो गुना करने का प्रस्ताव

लखनऊ। प्रमुख सचिव लघु उद्योग एवं निर्यात प्रोत्साहन उत्तर प्रदेश सरकार की अध्यक्षता में निर्यात हित धारकों की एक बैठक योजना भवन आयोजित की गयी। इन्डियन इन्डस्ट्रीज एसोसिएशन ने इस बैठक में उत्तर प्रदेश के निर्यात को 15 से 20 गुना प्रतिवर्ष बढ़ाने के लिए अपने प्रस्ताव एवं सुझाव प्रेषित किए।

भारत के कुल निर्यात में उत्तर प्रदेश का योगदान नगण्य है, जो लगभग 3 प्रतिशत है। प्रदेश से अधिकतम निर्यात होने वाले उत्पाद हस्तशिल्प, चमड़ा एवं मीट है। देश के हस्तशिल्प निर्यात में प्रदेश की भागीदारी 40 प्रतिशत है, फिर भी यदि देखा जाए तो कुल निर्यात भागीदारी बहुत ही कम है। यह स्थिति एक तरह से उत्साह जनक नहीं है परन्तु दूसरी तरफ यह निर्यात को बढ़ावा देने के लिये एक अवसर भी प्रदान करती है। इस अवसर को ध्यान में रखते हुए इन्डियन इन्डस्ट्रीज एसोसिएशन ने बैठक में 12 सूत्रीय कार्य योजना को प्रस्तुत किया। अर्न्तराष्ट्रीय व्यापार प्रोत्साहन कार्य दल के उपाध्यक्ष एमएन लारी, आईआईए एवं कुनाल वर्मा ने सुझाव योजना बैठक में प्रस्तुत किए। सरकार एवं उद्योग प्रतिनिधियों के संयुक्त कार्यदल का गठन कर सुझाव 3 महीने में देने की बात कही गई है।

इस प्रकार यह निर्यात को 5 वर्षों में 2 गुना करने की कार्य योजना बनाई जाए। इसके अलावा आईआईए ने निर्यात के लिए अलग से पॉलिसी,विकास एवं प्रोत्साहन के लिए उत्तर प्रदेश बजट में अलग से अवंटन, प्रदेश से निर्यात किये जाने योग्य उत्पादों को 'ओवीओपी' मॉडल के अर्न्तगत 'एक जिले से एक उत्पाद' द्वारा पहचान, एक ब्रांडिग और अर्न्तराष्ट्रीय मार्केटिंग जैसे सुझाव प्रस्तुत किए।

बैठक में आईआईए के सभी प्रस्तावों को सराहा गया और मुकुल सिंघल, प्रमुख सचिव, लघु उद्योग एवं निर्यात प्रोत्साहन ने इन प्रस्तावों का क्रियान्वयन करने के लिए विस्तार से विचार विमर्श किया।